छप्पन शंखनाद

अर्चना मीना

प्रिय बंधुवर,

माता के स्वाभिमान, अभिमान की रक्षा की चिंता और उसकी व्यक्त, अव्यक्त भावनाओं की अनुभूति उसी पुत्र को होती है जिसे अपनी मां के प्रति सच्ची श्रद्धा व प्रेम होता है। भारत माता के मुकुट के कुछ मणि–माणक कब छूटे, कैसे टूटे यह इतिहास के पन्नों पर और उसके सपूतों के हृदय पर काली स्याही से अंकित है, किंतु उसकी पीड़ा जलते सुलगते कोयले की भांति उनके अंतर मन को सदा विचलित करती आई है।

स्वतंत्र भारत माता का चिर प्रतीक्षित रूप जब 1947 में देखने को मिला, तब उसके आभूषणों की चमक फीकी और परिधान मलिन थे। वर्षों तक भारतवासी अपनी जन्म भूमि की खोई हुई भव्यता और जाने–अनजाने धूमिल हुए स्वाभिमान के पुनर्स्थापन की प्रतीक्षा करते रहे। वर्ष 2014 के पश्चात भारत मां के इस पावन मंदिर में पुजारी के रूप में उसके ऐसे सपूत ने सेवा प्रारंभ की जो अपने अथक प्रयासों से यह खोया सम्मान वापस लौटा लाया। जिसने कुछ ऐसे कार्यों का बीड़ा उठाया जिनके फलस्वरूप युग युगांतर से विश्व गुरू कहलाया जाने वाला हमारा महान देश एक बार पुनः विश्व में अपने सर्वोच्च स्थान की ओर अग्रसर है।

आज हमारे प्रधानमंत्री स्वयं को इस देश के प्रधान सेवक के रूप में परिचित करवा कर गौरवान्वित होते हैं और उनके कार्यों से गौरवान्वित होते हैं मां भारती की सेवा में तत्पर उनके अन्य सपूत भाई। इन्हीं भावनाओं के प्रवाह में भाई श्री दीपक ''पवन'' जी ने हमारे माननीय प्रधानमंत्री व भारत माता के पुजारी श्री नरेंद्र मोदी जी के द्वारा किए जाने वाले 56 प्रमुख कार्यों का संकलन ''छप्पन शंखनाद'' नामक इस पुस्तक में किया है।

यह समस्त कार्य लीक से हटकर किए गए वे कार्य थे जो अपने फलीभूत होने में एक अर्थ छुपाए हुए थे। अर्थ सच्ची स्वाधीनता का, पराक्रम का, साहस व स्वाभिमान का। इन अर्थों के मर्म की गूंज को सभी तक पहुंचाने का एक प्रयास है
''छप्पन शंखनाद''।

अहोभाग्य है की मुझे इस संकलन को आपके हाथों में इस रूप में पहुंचाने में सहयोग कर पाने का अवसर प्राप्त हुआ। आशा है हमारा यह सम्मिलित प्रयास भारत के जन–जन में देश प्रेम की भावना को पोषित करने, देश के प्रति किए जाने वाले अर्थ पूर्ण कार्यों के संदर्भ में चेतना जगाने व हृदय में उत्साह का संचार करने में सहायक सिद्ध हों।

ईश्वर करें कि कलम की स्याही मां भारती की प्रशस्ति लिखने में ऐसे ही अनवरत चलती रहे।

– अर्चना मीना

अखिल भारतीय सह–समन्वयक – स्वावलंबी भारत अभियान
महिला प्रमुख – स्वदेशी जागरण मंच, राजस्थान क्षेत्र
डायरेक्टर – होटल अनुरागा पैलेस, रणथंभौर, सवाई माधोपुर
सीईओ – शबरी ऑर्गेनिक कृषि एवं डेयरी फार्म, मैनपुरा
एग्जीक्यूटिव मेंबर – ग्रामीण महिला विद्यापीठ, सवाई माधोपुर

फोन: +91-7462-22 1000 • **मो.:** +91 94 13 94 1000
ई–मेल: archanameenaoffice@gmail.com
वेबसाइट: www.archanameena.com

/ Archana.Social / Archana.Social
/ Archana_Social / @Archana.Social

प्रस्तावना

आदरणीय,

सैकड़ो वर्षों के विदेशी कुशासन से क्रुद्ध हो भारतीय जनमानस ने अपने पुरूषार्थ के बल पर 1857 के स्वतंत्रता समर व अगले 90 वर्षों के सतत् संकल्प के फलस्वरूप चिरप्रतीक्षित राजनीतिक स्वतंत्रता को वर्ष 1947 में प्राप्त कर लिया था किंतु विदेशी ताकतों द्वारा भारतीय संस्कृति व भारतीयता पर ऐसे अनेकों प्रहार किए गए थे जिससे भारत अब इंडिया बन चुका था।

स्वतंत्रता प्राप्त करना जितनी बड़ी चुनौती थी उतनी ही बड़ी चुनौती थी स्वतंत्रता के बाद इंडिया को पुनः भारत बनाना। किंतु स्वतंत्रता के बाद इस दिशा में कोई विशेष प्रयास नहीं हुए अपितु विकास के नाम पर भौतिक विकास को ही महत्त्व दिया गया एवं भारतीय विकास को अनदेखा किया गया। भारतीय विकास यानि वह जो भारतीय जनता वर्षों से चाहती थी और स्वतंत्रता के पश्चात् जिनकी महत्वाकांक्षाए और अधिक बढ़ गई थी क्योंकि अब उनका प्रतिनिधित्व करने वाले लोग सत्ता सम्भाल रहे थे।

जिस प्रकार त्रेता में राम व द्वापर में कृष्ण जन्म हेतु जन लालायित थे उसी प्रकार मानों भारतीय जन भी एक ऐसी सरकार के लिए लालायित थे जो उनकी जनभावनाओं को समझे। वर्ष 2013 के आसपास एक नाम उम्मीद बनकर लोगों द्वारा पुकारा जाने लगा और जल्द ही वह नाम नारे में बदल गया। वर्ष 2014 में, वर्षों बाद भारतीय जनता ने एक ऐसी सरकार चुनी जो पूर्ण बहुमत की सरकार थी। यह पूर्ण बहुमत जनता द्वारा सरकार पर जताए विश्वास का प्रतीक था और इसी विश्वास पर खरे उतरने के फलस्वरूप 2019 में और अधिक प्रचंड बहुमत के साथ सरकार दोहराई गई। इन वर्षों में राममन्दिर निर्माण, धारा 370 उन्मूलन, तीन तलाक कानून जैसे अनेको कार्य तो सम्पन्न हुए ही, साथ ही विश्व पटल पर भी भारतीय विदेश नीति व पराक्रम को सम्पूर्ण जगत द्वारा सराहा जाने लगा तथा सभी देश भारत से सम्बंध बनाने को आतुर हुए।

इस पुस्तिका में वर्ष 2014 से अब तक किए गए ऐसे कार्यों को संकलित किया गया है जिन्हें पढ़कर आप यह अनुभूति करेंगे कि हम ''इंडिया से भारत'' तथा ''भारत से विश्व गुरू भारत'' की ओर तेजी से बढ़ रहे हैं। आप देखेंगे कि जो भारत विदेशी आगन्तुकों को केवल ताजमहल तक चहलकदमी करवाने तक सीमित हो गया था वो आज स्वर्णमंदिर, महाबलीपुरम, अक्षरधाम, गंगा दर्शन जैसे स्थलों का भ्रमण करवा कर अपनी विविधता व सम्पन्नता का संदेश सम्पूर्ण विश्व में दे रहा है। आप देखेंगे कि स्वतंत्रता केवल कुछ महापुरूषों के प्रयासों का परिणाम नहीं अपितु असंख्य महापुरूषों द्वारा दिए गये लहू का परिणाम है जिन्हें इतने वर्षों बाद उचित सम्मान प्राप्त हो रहा है। आप देख पाएंगे कि जो भारत पश्चिमी देशों की कठपुतली कहलाया जाने लगा था वो आज उनकी आंखों में आंखें डालकर बात कर रहा है। आप देख पाएंगे कि आज का भारत सर्जिकल स्ट्राइक, एयर स्ट्राइक, ऑपरेशन गंगा, ऑपरेशन समुद्रसेतु, ऑपरेशन संजीवनी जैसे अनेकों पराक्रम कर अपनी महती भूमिका को रेखांकित कर रहा है।

आशा है कि यह पुस्तिका आपको सांस्कृतिक भारत, समरस भारत, सशक्त भारत तथा समृद्ध भारत की एक झलक दिखाने का कार्य करेगी तथा इसे पढ़कर आप भी स्वयं को गौरवान्वित महसूस करेंगे।

— **दीपक 'पवन'**
जयपुर
sharmadeepak3262@gmail.com

राम मंदिर भूमि पूजन

5 अगस्त 2020 को प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने भव्य श्री राम मंदिर पुनर्निर्माण हेतु भूमि पूजन कर मंदिर की आधारशिला रखी। 16वीं शताब्दी में मुगल सेनापति मीर बाकी ने यहां बाबरी ढांचे का निर्माण कर दिया था, जिसे 6 दिसम्बर 1992 में राम भक्तों द्वारा ध्वस्त कर दिया गया था। लगभग 500 वर्षों के लंबे संघर्ष के बाद श्री रामलला पुनः अपने जन्मस्थान पर विराजमान किये गए है। राम मंदिर भूमि पूजन कार्यक्रम में प्रधानमंत्री के साथ संघ प्रमुख मोहन भागवत, यूपी मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ आदि उपस्थित रहे। मंदिर निर्माण का कार्य लार्सन एंड टूब्रो और टाटा कंसलटेंसी के मार्गदर्शन में किया जा रहा है।

मां अन्नपूर्णा की घर वापसी

100 वर्ष पूर्व भारत से चोरी की गई देवी अन्नपूर्णा की मूर्ति को कनाडा से भारत वापस लाया गया है। चुनार के बलुआ पत्थर से निर्मित लगभग 3 सदी पुरानी यह मूर्ति वाराणसी से 1913 के आसपास चोरी हो गई थी। इस मूर्ति में मां अन्नपूर्णा के एक हाथ में खीर का प्याला और दूसरे हाथ में चम्मच है।

मूर्ति को कनाडा से लाने के पश्चात काशी विश्वनाथ कॉरिडोर के उत्तरी गेट के समीप विराजमान किया गया है।

यूएई में पहला हिन्दू मंदिर

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 11 फरवरी 2018 को संयुक्त अरब अमीरात की राजधानी अबू धाबी में पहले हिन्दू मंदिर की आधारशिला रखी। अबू धाबी के अल वाकबा नामक स्थान पर 20000 वर्ग मीटर में बन रहे इस मंदिर का निर्माण बोचासन वासी अक्षर पुरूषोत्तम स्वामीनारायण संस्था (बीएपीएस) द्वारा किया जा रहा है। मंदिर हेतु रेड सैंड स्टोन राजस्थान से मंगवाया गया है तथा पत्थरों पर रामायण, महाभारत सहित अनेक पौराणिक प्रसंगों को उकेरा जा रहा है।

JNU में स्वामी जी

नई दिल्ली स्थित जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय में 20 नवम्बर 2020 को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने स्वामी विवेकानन्द जी की 11.5 फीट ऊंची आदमकद प्रतिमा का अनावरण किया। प्रधानमंत्री ने स्वामी जी के विश्व बंधुत्व, वेदांत दर्शन, शिकागो धर्म सम्मेलन का जिक्र करते हुए कहा कि विवेकानन्द जी ने सवा सौ साल पहले भारतमाता के जगतगुरू बनने का सपना देखा था, अब हम उनके सपने को साकार करेंगे।'

ध्यातव्य है कि जेएनयू परिसर में एक सड़क मार्ग का नाम वीर विनायक दामोदर सावरकर के नाम रखा गया है।

काशी विश्वनाथ कॉरिडोर

लगभग ढाई सौ साल बाद काशी विश्वनाथ मंदिर का जीर्णोद्धार किया गया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 13 दिसम्बर 2021 को काशी विश्वनाथ कॉरिडोर का लोकार्पण किया है। ध्यातव्य है कि औरंगजेब द्वारा काशी विश्वनाथ परिसर को ध्वस्त करने के पश्चात 1780 में मराठा महारानी अहिल्याबाई होल्कर ने मंदिर का पुनर्निर्माण करवाया था, वही 19वीं सदी में महाराजा रणजीत सिंह ने सोने का शिखर लगवाया था।

कॉरिडोर में चार बड़े–बड़े गेट है जिसके चारो तरफ प्रदक्षिणा पथ बना है इस पथ पर संगमरमर के 22 शिलालेख लगाए गए है, इनमें आदि शंकराचार्य की स्तुतियां, अन्नपूर्णा स्त्रोत, काशी विश्वनाथ की स्तुतियां और भगवान शंकर से जुडी महत्वपूर्ण जानकारियों का उल्लेख किया गया है। परिसर में भारत माता की धातु की प्रतिमा, अहिल्याबाई होल्कर व आदि शंकराचार्य जी की प्रतिमा भी स्थापित की गई है।

STATUE OF UNITY

31 अक्टूबर 2018 को सरदार वल्लभ भाई पटेल की जयंती पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा उनकी 182 मीटर ऊंची प्रतिमा का उद्‌घाटन किया गया। यह प्रतिमा दुनिया की सबसे ऊंची प्रतिमा है, जो कि गुजरात के केवड़िया में नर्मदा नदी के तट पर बनाई गई है। इस मूर्ति के शिल्पकार राम वी सुथार है।

वर्ष 1947 में स्वतंत्रता के पश्चात सरदार पटेल को रियासती विभाग का जिम्मा सौंपा गया, जिसे उन्होंने भली भांति निभाते हुए 562 देसी रियासतों को एक सूत्र में पिरोकर वर्तमान भारत का स्वरूप प्रदान किया।

सुभाष चन्द्र बोस को मिला उचित सम्मान

सुभाष चन्द्र बोस की 125 वीं जयंती पर 23 जनवरी 2022 को प्रधानमंत्री मोदी ने इंडिया गेट पर उनकी होलोग्राम प्रतिमा का अनावरण किया। यह होलोग्राम प्रतिमा 28 फीट ऊंची व 6 फीट चौड़ी है, शीघ्र ही इस डिजिटल प्रतिमा के स्थान पर ग्रेनाइट निर्मित प्रतिमा स्थापित की जायेगी। वर्ष 2021 में 23 जनवरी को पराक्रम दिवस घोषित किया गया।

इससे पूर्व 21 अक्टूबर 2018 को आजाद हिन्द सरकार के 75 वर्ष पूर्ण होने पर लाल किले में हुए विशेष समारोह में प्रधानमंत्री ने आजाद हिन्द फौज की कैप पहनकर तिरंगा फहराया था।

नमामि गंगे

नमामि गंगे योजना की शुरूआत वर्ष 2014 में मोदी सरकार द्वारा की गई। इस योजना का मुख्य उद्देश्य गंगा नदी के प्रदूषण को कम करना और गंगा नदी को पुनर्जीवित करना है। भारतीय संस्कृति में गंगा मात्र नदी नहीं है, इसे ''माँ'' का दर्जा दिया गया है, साथ ही भारत की 40% आबादी गंगा पर ही निर्भर है।

नमामि गंगे प्रोजेक्ट के तहत गंगोत्री से शुरू होकर हरिद्वार, कानपुर, इलाहाबाद, बनारस, गाजीपुर, बलिया, बिहार में 4 और बंगाल में 6 जगहों पर पुराने घाटों का जीर्णोद्वार, नए घाट, चेंजिंग रूम, शौचालय, बैठने की जगह, सीवेज ट्रीटमेंट प्लान्ट, आक्सीडेशन प्लान्ट बायोरेमेडेशन प्रक्रिया से पानी शोधन का काम इस योजना के अंतर्गत किया जा रहा है।

ढाकेश्वरी देवी, बांग्लादेश

7 जून 2015 को प्रधानमंत्री मोदी अपने बांग्लादेश दौरे के दूसरे दिन ढाका में बने 800 साल पुराने ढाकेश्वरी देवी मंदिर दर्शन को पहुंचे। प्रधानमंत्री मोदी इस मंदिर में जाने वाले पहले भारतीय प्रधानमंत्री है। ढाकेश्वरी मंदिर को बांग्लादेश में राष्ट्रीय मंदिर का दर्जा हासिल है। 12वीं शताब्दी में सेन राजवंश के बल्लाल सेन ने ढाकेश्वरी देवी मन्दिर का निर्माण करवाया था। ढाकेश्वरी पीठ की गिनती शक्तिपीठ में की जाती है, मान्यता है कि यहां पर सती के आभूषण गिरे थे।

मंदिर दर्शन के पश्चात मोदी बांग्लादेश स्थित रामकृष्ण मठ भी पहुंचे।

करतारपुर साहिब कॉरिडोर.........

करतारपुर कॉरिडोर पाकिस्तान के नारोवाल जिले में दरबार साहिब गुरूद्वारा को भारत के पंजाब प्रांत के गुरदासपुर जिले में डेरा बाबा नानक साहिब से जोड़ता है। यह कॉरिडोर 12 नवम्बर, 2019 को सिख धर्म के संस्थापक गुरू नानक देव की 550वीं जयंती समारोह के अवसर पर बनाया गया था। करतारपुर साहिब सिखों का पवित्र तीर्थ स्थल है।

करतारपुर साहिब को सबसे पहला गुरूद्वारा माना जाता है जिसकी नींव श्री गुरू नानक देव जी ने रखी थी। उन्होंने अपने जीवन आखिरी साल यही गुजारे थे. 22 सितंबर 1539 को इसी गुरूद्वारे में गुरूनानक जी ने आखरी सांसे ली थीं।

वीरबाल दिवस – 26 दिसम्बर

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ने 10वें गुरू गोविन्द सिंह जी के गुरू पर्व के अवसर पर प्रतिवर्ष 26 दिसम्बर को वीर बाल दिवस के रूप में मनाने की घोषणा की गई है। इस दिन को गुरू गोविन्द सिंह के चार पुत्रों ''साहिबजादे'' को श्रद्धांजलि देने के लिये ''वीर बाल दिवस'' के रूप में चिन्हित किया गया है। 26 दिसम्बर 1704 को वजीर खा साहिबजादों जोरावर सिंह और फतेह सिंह को दीवार में जिंदा चुनवा दिया गया था।

''नहीं हम झुक नहीं सकते, नहीं हम रूक नहीं सकते।
हमें निज देश प्यारा है, हमें निज पंथ प्यारा है।
पिता दशमेश प्यारा है, श्री गुरू ग्रंथ प्यारा है।''

प्रत्येक दीवाली – सेना वाली

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने वर्ष 2014 में प्रधानमंत्री पद संभालने के बाद से दिवाली हमेशा सेना संग फॉरवर्ड बेस पर ही मनाई है। इनमें उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश, राजस्थान, पंजाब और जम्मू–कश्मीर के फॉरवर्ड बेस शामिल है। इसी क्रम में वर्ष 2021 की दीवाली प्रधानमंत्री ने जवानों के संग राजौरी के नौशेरा सेक्टर में मनाई। प्रधानमंत्री का जवानों संग दीवाली मनाना उनके अगाध देश प्रेम व जज्बे के साथ साथ उनके सेना व सैनिको से जुड़ाव को दर्शाता है।

जानकी मंदिर, नेपाल

प्रधानमंत्री मोदी वर्ष 2018 के नेपाल दौरे के दौरान नेपाल स्थित जानकी मंदिर दर्शन हेतु पहुँचे। यह हिन्दू मंदिर नेपाल के जनकपुर के केन्द्र में स्थित है। राजा जनक के नाम पर शहर का नाम जनकपुर रखा गया था। राजा जनक की पुत्री जानकी के नाम पर इस मंदिर का नामकरण हुआ था। यह नगरी मिथिला की राजधानी थी। जानकी मंदिर का निर्माण वर्ष 1911 में टीकमगढ़ की महारानी कुमारी वृषभानु ने करवाया।

STAUTE OF EQAULITY

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 11वीं सदी के हिन्दू संत श्री रामानुजाचार्य के सम्मान में हैदराबाद में EQUALITY, स्टैच्यू ऑफ इक्वलिटी का उद्घाटन किया। 216 फुट ऊंची यह प्रतिमा ''पंचलोहा'' (पांच धातुओ) से बनी है। EQUALITY, स्टैच्यू ऑफ इक्वेलिटी को ''भद्र वेदी'' नाम की 54 फीट ऊंची इमारत पर लगाया गया है। इमारत में एक डिजिटल पुस्तकालय और अनुसंधान केन्द्र, प्राचीन ग्रंथ, एक थिएटर, एक शैक्षिक गैलरी है जो श्री रामानुजाचार्य के कार्यों और दर्शन का विवरण देती है। संत रामानुजाचार्य ने सामाजिक समानता व वसुधैव कुटुम्बकम (दुनिया एक परिवार है) के प्रचार में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

केदारनाथ में शंकराचार्य प्रतिमा अनावरण

केदारनाथ धाम में बनी आदिगुरू शंकराचार्य की प्रतिमा का अनावरण पीएम नरेंन्द्र मोदी ने किया। आदिगुरू शंकराचार्य की 12 फीट ऊंची मूर्ति कृष्णशिला पत्थर पर बनाई गई है। मैसूर के प्रसिद्ध मूर्तिकार योगीराज शिल्पी ने 120 टन के पत्थर पर शंकराचार्य की प्रतिमा को तराशा है। वर्ष 2013 की आपदा में केदारनाथ में आदिगुरू शंकराचार्य का समाधि स्थल और उनकी मूर्ति मंदाकिनी नदी के सैलाब में तबाह हो गई थी। इसके बाद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दिशा निर्देश में केदारनाथ धाम के पुनर्निर्माण कार्यों के तहत आदिगुरू शंकराचार्य की समाधि विशेष डिजाइन से तैयार की गई है।

108 फीट ऊंची हनुमान प्रतिमा, मोरबी (गुजरात)

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने हनुमान जन्मोत्सव के मौके पर गुजरात के मोरबी में राम भक्त हनुमान जी की 108 फीट ऊंची मूर्ति का अनावरण किया। देश के चारों कोने में (शिमला व मोरबी में स्थापित हो चुकी है जबकि रामेश्वरम और पश्चिम बंगाल में कार्य चल रहा है) हनुमान जी की प्रतिमाएं स्थापित हो रही है। मोदी ने मूर्ति का अनावरण करते हुए कहा कि हनुमान वो शक्ति और संबल हैं जिन्होंने समस्त वनवासी प्रजातियों और वन बंधुओं को मान और सम्मान का अधिकार दिलाया।

STATUE OF PEACE

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने जैन भिक्षु आचार्य श्री विजय वल्लभ सूरीश्वरजी महाराज को समर्पित 'स्टैच्यू ऑफ पीस' का अनावरण किया है। राजस्थान के पाली में विजय वल्लभ साधना केन्द्र, जेतपुरा में आचार्य श्री विजय वल्लभसूरी की 151वीं जयंती के अवसर पर पीएम मोदी ने 151 इंच (12.6 फीट) ऊंची प्रतिमा का उद्घाटन किया। शांति की मूर्ति अष्टधातु से बनाई गई है। जैनाचार्य ने बालिकाओं के लिए कई संस्थाओं की स्थापना की और महिलाओं को मुख्यधारा में लाने का कार्य किया। मोदी ने कहा कि आचार्य विजय वल्लभ जी का जीवन हर जीव के प्रति दया, करूणा और प्रेम से भरा रहा।

STATUE OF LORD BUDDHA

मंगोलियाई राष्ट्रपति के पांच दिवसीय भारत दौरे के दौरान प्रधान मंत्री नरेन्द्र मोदी और मंगोलियाई राष्ट्रपति खल्टमागिन बत्तुल्गा ने संयुक्त रूप से वीडियो कॉनफ्रेन्स के माध्यम से मंगोलिया के गंडन मठ में भगवान बुद्ध की एक प्रतिमा (भगवान बुद्ध की कटोरा धारण की हुई स्वर्ण प्रतिमा) का अनावरण किया। गंदन मठ मंगोलिया की राजधानी उलानबटार में स्थित है। मई 2015 में, पीएम मोदी ने मठ का दौरा किया था, जहां उन्होंने एक बोधि वृक्ष का पौधा भेंट किया था, जिसे भारतीय लोगों की दोस्ती का प्रतीक बताया था।

जेशोरेश्वरी काली मंदिर बांग्लादेश

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 27 मार्च 2021 की सुबह बांग्लादेश के जेशोरेश्वरी काली मंदिर में मां काली की पूजा की और उन्हें सोने का मुकुट चढ़ाया। यह मंदिर मां दुर्गा के 51 शक्तिपीठों में से एक है। मोदी माता दुर्गा के अनन्य भक्त है तथा प्रतिवर्ष नवरात्र व्रत व पूजा करते है। हर साल बांग्लादेश और भारत से हजारों की संख्या में हिन्दू श्रद्धालु माता के इस मंदिर का दर्शन करने पहुंचते हैं। जेशोरेश्वरी मंदिर दर्शन के पश्चात मोदी ओराकंडी में हिंदू मटूआ समुदाय के पवित्र मंदिर भी पहुँचे।

विश्व की सबसे बड़ी भगवद्गीता का विमोचन

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने दिल्ली के इस्कॉन मंदिर में 26 फरवरी 2019 को एक विशाल भगवद्गीता का विमोचन किया, जिसमें 670 पृष्ठ हैं और उसका वजन 800 किलोग्राम है। इस्कॉन के अनुसार इसे 'एस्टाउंडिंग भगवद् गीता' कहा जा रहा है। इसका आकार 2.8 मीटर x 2 मीटर है। इसे दुनिया की सबसे बड़ी पवित्र पुस्तक के रूप में प्रस्तुत किया गया है। इस्कॉन के संस्थापक स्वामी प्रभुपाद की ओर से गीता प्रचार के 50 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में यह प्रकाशित कराई गई है। इंटरनेशनल सोसाइटी फॉर कृष्णा कॉन्शियसनेस (इस्कॉन) 400 से अधिक मंदिरों का एक विश्वव्यापी परिसंघ है।

मोदी का ड्रीम प्रोजेक्ट- बद्रीनाथ धाम मास्टर प्लान

प्रधानमंत्री ने बद्रीनाथ धाम को स्मार्ट स्पिरिचुअल सिटी के रूप में विकसित किये जाने हेतु दिशा निर्देश जारी किए है, इस हेतु 481 करोड़ रूपये की लागत राशि से विकास कार्य किये जायेंगे। मास्टर प्लान को 2025 तक पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। बद्रीनाथ धाम में तीन चरणों में विकास कार्य होने है। पहले चरण के तहत शेष नेत्र झील तथा बद्रीश झील का सौन्दर्यीकरण, दूसरे चरण के तहत मुख्य मंदिर एवं उसके आसपास के क्षेत्र का सौन्दर्यीकरण तथा अंतिम चरण में मंदिर से शेष नेत्र झील को जोड़ने वाले पथ का निर्माण कार्य प्रस्तावित है। धाम में तालाबों के सौन्दर्यीकरण, सड़कों की व्यवस्था, भीड़ प्रबंधन, मंदिर एवं घाट का सौन्दर्यीकरण, बद्रीश वन, पार्किंग सुविधा, सड़क एवं रिवर फ्रंट विकास आदि निर्माण कार्य मास्टर प्लान के तहत चरणबद्ध ढंग से प्रस्तावित किए गए हैं।

पशुपति नाथ, नेपाल

वर्ष 2018 के बिम्सटेक सम्मेलन, नेपाल के दौरे पर गए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने नेपाल के प्रधानमंत्री केपी ओली के साथ प्रसिद्ध पशुपतिनाथ मंदिर में विशेष पूजा–अर्चना की। पीएम मोदी ने यहां काठमांडू में एक धर्मशाला का भी उद्‌घाटन किया, जिसे भारत–नेपाल मैत्री धर्मशाला का नाम दिया गया है। 2014 में प्रधानमंत्री बनने के बाद नरेन्द्र मोदी ने नेपाल की अपनी पहली यात्रा में इस धर्मशाला के निर्माण का ऐलान किया था, भारत ने इसके निर्माण में 25 करोड़ रूपये की मदद की।

सोमनाथ - पार्वती मंदिर शिलान्यास

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 20 अगस्त 2021 को गुजरात के सोमनाथ मंदिर (Somnath Temple) परिसर में पार्वती माता के मंदिर (Parvati Temple) का शिलान्यास किया। सफेद पत्थरों से बनने वाले इस मंदिर की ऊंचाई 71 फीट की होगी।

इसके साथ ही सोमनाथ समुद्र दर्शन पैदल पथ, सोमनाथ प्रदर्शनी केन्द्र और नवीनीकृत अहिल्याबाई मंदिर की सौगात भी देशभर को दी। सोमनाथ मंदिर पर अनेक विदेशी आक्रांताओं जैसे गजनवी, नुसरत खां, मुजफ्फर शाह, औरंगजेब द्वारा आक्रमण किये गए। स्वतंत्रता के पश्चात सरदार वल्लभ भाई पटेल द्वारा 1950 में सोमनाथ मंदिर का पुनर्निर्माण करवाया गया।

बहरीन में श्रीनाथ मंदिर

25 अगस्त 2019 को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बहरीन की राजधानी मनामा में भगवान श्री कृष्ण के 200 साल पुराने मंदिर के पुनर्निर्माण के लिए 42 लाख डॉलर की परियोजना का शुभारंभ किया। मोदी ने मनामा के श्रीनाथजी मंदिर में प्रार्थना की। श्रीनाथजी मंदिर क्षेत्र में सबसे पुराना मंदिर है। मंदिर का निर्माण 1817 में थट्टई हिंदू समुदाय द्वारा किया गया था, जो भारत के विभाजन से पहले सिंध से चले गए थे।

मोदी संग चीनी राष्ट्रपति का शोर मंदिर दर्शन

11 अक्टूबर 2019 को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग महाबलीपुरम के प्रमुख तीर्थ स्थल शोर मंदिर पहुंचे। 700–728 ईस्वी के दौरान समुद्र के निकट पल्लव राजवंश द्वारा निर्मित शोर मंदिर वास्तुकला का अद्भुत नमूना है। 1984 में इस मंदिर को यूनेस्को वैश्विक धरोहर स्थल घोषित कर दिया गया।

मोदी ने चीनी राष्ट्रपति को पंचरथ, अर्जुन तपस्या स्थल का भ्रमण कराया। पंचरथ को ठोस चट्टानों को काटकर बनाया गया है। पंचरथ के बीच में एक विशाल हाथी और शेर की प्रतिमाएं स्थापित हैं। अर्जुन तपस्या स्थल महाबलीपुरम के शानदार स्मारकों में से एक है।

सिंगापुर का सबसे पुराना हिन्दू मंदिर

प्रधानमंत्री ने 2018 की सिंगापुर विदेश यात्रा के दौरान चाइनाटाउन स्थित श्री मरिअम्मन मंदिर के दर्शन कर प्रार्थना की। श्री मरिअम्मन देश का सबसे पुराना हिन्दू मंदिर है। वर्ष 1827 में निर्मित इस मंदिर का निर्माण दक्षिण भारत के नागपट्टनम और कुड्डालोर जिलों के अप्रवासियों द्वारा पूजा के लिए किया गया था। मन्दिर देवी मरिअम्मन को समर्पित है, जो महामारी की बीमारियों को ठीक करने के लिए जानी जाती हैं। मंदिर दर्शन के पश्चात मोदी ने बुद्ध दांत अवशेष मंदिर और संग्रहालय का दौरा भी किया।

बहरीन में भी मंदिर निर्माण हेतु जमीन आवंटन

संयुक्त अरब अमीरात के बाद बहरीन ऐसा दूसरा देश है, जिसने हिन्दू मंदिर बनाने के लिए जमीन दी है। 1 फरवरी 2022 को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने दुनिया को घोषणा की कि बहरीन के क्राउन प्रिंस और प्रधानमंत्री सलमान बिन हमद अल खलीफा ने बहरीन में एक स्वामीनारायण हिन्दू मंदिर बनाने के लिए भूमि आवंटित की है। यह हिन्दू धर्म के लिए, भारत और बहरीन के बीच संबंधों के लिए और समग्र रूप से अंतर्राष्ट्रीय सद्भाव के लिए एक महत्वपूर्ण और ऐतिहासिक क्षण था।

अफगानिस्तानी राष्ट्रपति स्वर्ण मंदिर, अमृतसर में

वर्ष 2016 में हार्ट ऑफ एशिया सम्मेलन में भाग लेने के पश्चात प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी अफगानिस्तान के राष्ट्रपति अशरफ गनी के साथ अमृतसर के स्वर्ण मन्दिर पहुंचे। दोनों नेताओं ने स्वर्ण मन्दिर के पवित्र सरोवर के जल से आचमन किया। मंदिर में मत्था टेकने के बाद मोदी को सम्मान स्वरूप सरोपा भेंट किया गया। इस दौरान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने यहां मौजूद भक्तों को लंगर में भोजन परोसा।

मस्कट शिव मंदिर

मोदी ने 12 फरवरी 2018 को ओमान की राजधानी मस्कट में स्थित 200 वर्ष प्राचीन शिव मंदिर के दर्शन किये, इस मंदिर को मोतीश्वर मंदिर भी कहा जाता है। इस मंदिर का गुजरात से भी गहरा नाता है। बताया जाता है कि इस मंदिर को कच्छ से आए भाटिया व्यापारियों ने निर्मित कराया था जो मस्कट में सन् 1507 में जाकर बस गए थे। मस्कट में आज भी इस समुदाय की ताकत और उसका प्रभुत्व आसानी से देखा जा सकता है। भारत के बाहर मस्कट को गुजराती व्यापारियों का पहला घर करार दिया जाता है।

म्यांमार का आनंद मंदिर

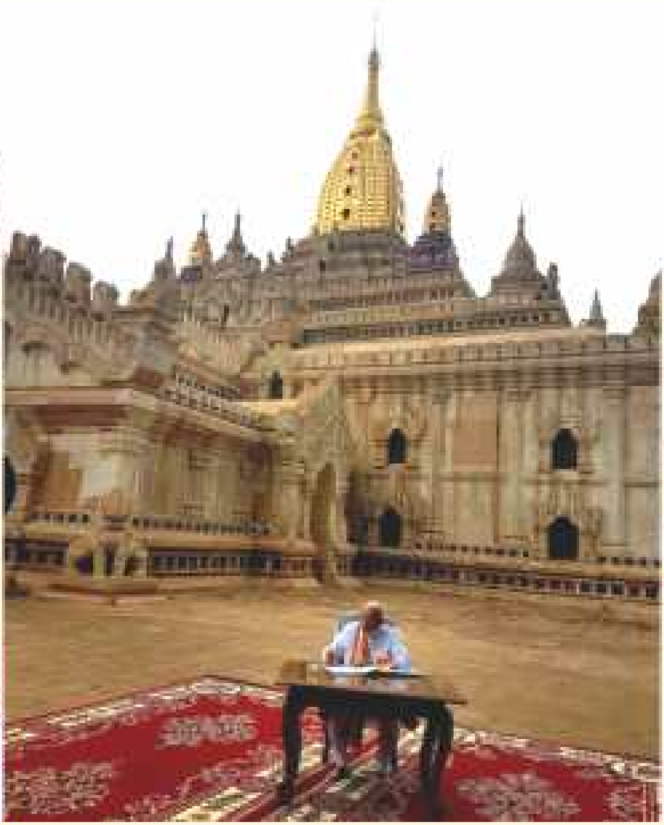

6 सितम्बर 2017 को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने म्यांमार के राष्ट्रपति हतिन क्याव के साथ म्यांमार के सबसे प्राचीन शहर बागान में स्थित आनंद मंदिर का दौरा किया। उल्लेखनीय है कि 1105 ईसवी में बने इस मंदिर का इतिहास बहुत पुराना है। इसे पगान राजवंश के राजा क्यानजित्था ने बनवाया था। इस मंदिर का नाम बुद्ध के प्रथम चचेरे भाई और निजी सचिव वेनरेबल आनंद के नाम पर रखा गया है। भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण इस मंदिर और शहर के कुछ अन्य ऐतिहासिक संरचनाओं के जीर्णोद्धार का काम करा रहा है।

अमेरिका ने लौटाई 200 से अधिक मूर्तियां

अमेरिका ने जून 2016 को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की शिरकत वाले एक समारोह के दौरान भारत को 200 से ज्यादा सांस्कृतिक कलाकृतियां लौटा दीं, इन कलाकृतियों की कीमत लगभग 10 करोड़ डॉलर है। पीएम मोदी ने ब्लेयर हाउस में आयोजित एक समारोह के दौरान कहा, 'कुछ लोगों के लिए इन कलाकृतियों की कीमत मुद्रा के रूप में हो सकती है, लेकिन हमारे लिए यह इससे कहीं ज्यादा है, यह हमारी संस्कृति और विरासत का हिस्सा है।

इन मूर्तियों में एक मूर्ति संत माणिककविचावकर की है, जो चोल काल (850 ईसा पश्चात से 1250 ईसा पश्चात) के तमिल कवि थे, इस मूर्ति को चेन्नई के सिवान मंदिर से चुराया गया था, इसकी कीमत 15 लाख डॉलर है, इसके अलावा लौटाई गई चीजों में भगवान गणेश की एक कांसे की मूर्ति भी है, जो 1000 साल पुरानी मालूम होती है।

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस

11 दिसंबर 2014 को संयुक्त राष्ट्र महासभा ने प्रत्येक वर्ष 21 जून को विश्व योग दिवस के रूप में मान्यता दी और 21 जून 2015 को प्रथम अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मनाया गया। प्रथम बार विश्व योग दिवस के अवसर पर 192 देशों में योग उत्सव का आयोजन किया गया, जिसमें 47 मुस्लिम देश भी शामिल थे। इस अवसर पर दिल्ली में एक साथ 35985 लोगों ने योग का प्रदर्शन किया, जिसमें 84 देशों के प्रतिनिधि मौजूद थे और भारत ने दो विश्व रिकॉर्ड बनाकर 'गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स' में अपना नाम दर्ज करा लिया।

उत्तराखंड के रास्ते अब हो सकेगी कैलाश मानसरोवर की यात्रा.........

वर्ष 2020 में उत्तराखंड में 17 हजार फीट की ऊंचाई पर लिपूलेख–धाराचूला मार्ग शुरू हुआ। 80 किलोमीटर लंबे इस रास्ते का उद्‌घाटन रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने किया था। इस मार्ग के शुरू होने से श्रद्धालु अब तीन सप्ताह की यात्रा एक ही हफ्ते में पूरी कर सकेंगे।

इससे पूर्व, कैलाश मानसरोवर दर्शनार्थियों की सुविधा हेतु वर्ष 2015 में चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग की भारत यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने उनसे वार्ता कर सिक्किम में नाथुला मार्ग भी खुलवाया था।

रामायण एक्सप्रेस

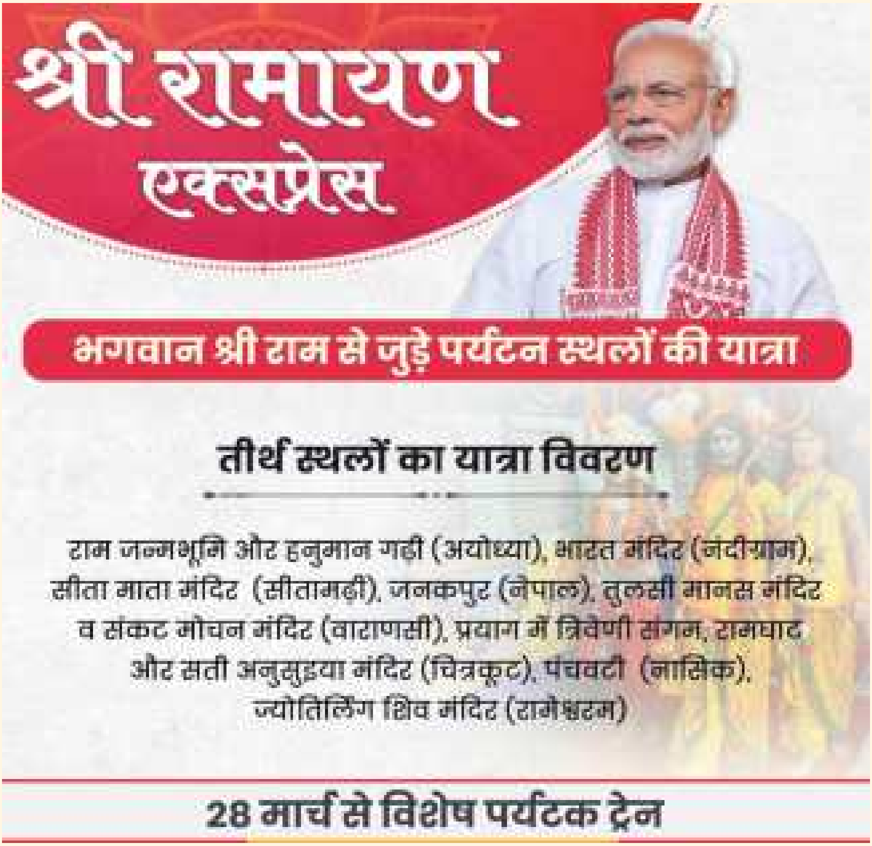

अयोध्या से श्रीलंका तक भगवान राम से जुड़े स्थलों की तीर्थ यात्रा हेतु भारत सरकार द्वारा रामायण एक्सप्रेस का आरम्भ किया गया है। श्री रामायण एक्सप्रेस की यात्रा में अयोध्या में राम जन्मभूमि और हनुमान गढ़ी, नंदीग्राम में भारत मंदिर, सीतामढ़ी (बिहार) में सीता माता मंदिर, जनकपुर (नेपाल), वाराणसी में तुलसी मानस मंदिर और संकट मोचन मंदिर, सीतामढ़ी (उप्र) में सीतामढ़ी स्थल, प्रयाग में त्रिवेणी संगम, हनुमान मंदिर और भारद्वाज आश्रम, श्रृंगवेरपुर में श्रृंगी ऋषि मंदिर, चित्रकूट में ज्योतिर्लिंग शिव मंदिर आदि शामिल हैं।

कश्मीर में मंदिर पुनर्निर्माण- रघुनाथ मंदिर, कश्मीर

धारा 370 के हटने के बाद जम्मू–कश्मीर के श्रीनगर में झेलम नदी के तट पर बने सदियों पुराने रघुनाथ मंदिर में जीर्णोद्धार का कार्य शुरू हो गया है, यह मंदिर कश्मीरी पंडितों के पलायन के बाद पिछले 30 वर्षों से आतंकवाद के खतरे के चलते खंडहर बना हुआ था लेकिन अब पर्यटन विभाग ने इसकी ऐतिहासिक छवि को बहाल करने के लिए मंदिर की मरम्मत का कार्य शुरू कराया है। रघुनाथ मंदिर करीब 300 वर्ष पूर्व का है इसके बाद वर्ष 1860 में डोगरा महाराजा रणबीर सिंह ने मंदिर में जीर्णोद्धार का कार्य करवाया था।

चारधाम परियोजना

प्रधानमंत्री मोदी ने वर्ष 2016 में चारधाम परियोजना की आधारशिला रखी थी। चारधाम परियोजना उत्तराखंड के चार प्रमुख तीर्थों यमुनोत्री, गंगोत्री, बद्रीनाथ और केदारनाथ को सड़क मार्ग से जोड़ने वाली महत्वाकांक्षी परियोजना है। पहले इसका नाम ऑल वेदर रोड प्रोजेक्ट था जिसे बदलकर चारधाम परियोजना कर दिया गया। 899 किलोमीटर की इस परियोजना की लागत 12 हजार करोड़ रूपये है। यह परियोजना सामरिक दृष्टिकोण से भी बहुत महत्वपूर्ण है, इससे भारतीय सेना की भारत चीन बॉर्डर तक पहुँच आसान होगी।

भारतमाला परियोजना

भारत सरकार के सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय द्वारा वर्ष 2017–18 से भारतमाला कार्यक्रम चलाया जा रहा है। सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय की महत्त्वाकांक्षी 'भारतमाला परियोजना' के प्रथम चरण के तहत 5,35,000 करोड़ रूपए की लागत से 34,800 किलोमीटर राष्ट्रीय राजमार्गों का निर्माण किया जाएगा। इसके अंतर्गत आर्थिक कॉरिडोर, फीडर कॉरिडोर और इंटर कॉरिडोर, राष्ट्रीय कॉरिडोर, तटवर्ती सड़कें, बंदरगाह संपर्क सड़कें आदि का निर्माण किया जा रहा है।

धारा 370 का उन्मूलन – लाल चौक पर लहराया तिरंगा

मोदी सरकार ने दृढ़ संकल्प का परिचय देते हुए 5 अगस्त 2019 को जम्मू–कश्मीर को विशेष राज्य का दर्जा देने वाले संविधान के आर्टिकल 370 और धारा 35 के तहत मिले सभी विशेष प्रावधान समाप्त करने वाला अधिनियम संसद से पारित करवा लिया। साथ ही एक पुनर्गठन विधेयक भी पेश किया गया, जिसमे जम्मू–कश्मीर से राज्य का दर्जा समाप्त कर जम्मू–कश्मीर व लद्दाख नामक दो केन्द्र शासित प्रदेशों का गठन किया गया है।

सर्जिकल स्ट्राइक (नया भारत - घर मे घुसकर मारेगा)

28 सितम्बर 2016 देर रात भारतीय सेना के पैरा स्पेशल फोर्स के कमांडो की एक टीम ने लाइन ऑफ कंट्रोल (एलओसी) पार किया और आतंकी ठिकानों पर सर्जिकल स्ट्राइक कर 29 सितम्बर को सुबह वापिस भारतीय जमीं पर कदम रखा। कश्मीर के उरी सेक्टर में सेना के 20 जवानों की हत्या के बाद सुरक्षाबलों ने सर्जिकल स्ट्राइक को अंजाम दिया था। पीएम मोदी ने कहा कि सेना से बात करते हुए, उन्होंने महसूस किया कि वे अपने शहीद सैनिकों के लिए न्याय चाहते हैं और सरकार ने उन्हें सर्जिकल स्ट्राइक की योजना बनाने और उसे अंजाम देने के लिए 'फ्री हैंड'' दिया।

बालाकोट एयर स्ट्राइक "ऑपरेशन बन्दर"

26 फरवरी 2019 को भारतीय वायुसेना ने पाकिस्तान में घुसकर जैश–ए–मोहम्मद के आतंकी ठिकानों पर बमबारी कर उसे तबाह कर दिया था। 14 फरवरी को हुए जम्मू–कश्मीर के पुलवामा आतंकी हमले के बाद भारत ने 26 फरवरी की देर रात इसका बदला लिया था। भारतीय वायुसेना के इस एयर स्ट्राइक में जैश के करीब 250 से अधिक आतंकवादियों को मार गिराया था। गौरतलब है कि पुलवामा हमले के बाद पीएम मोदी ने कहा था कि 40 जवानों की शहादत व्यर्थ नहीं जाएगी और दुश्मनों की इसकी कीमत चुकानी होगी।

प्रसाद योजना

में तीर्थयात्रा कायाकल्प और आध्यात्मिक, विरासत संवर्धन अभियान का राष्ट्रीय मिशन (प्रसाद) एक केंद्रीय योजना है, जिसे पर्यटन मंत्रालय द्वारा वर्ष 2014–15 में शुरू किया गया था, जिसका उद्देश्य तीर्थयात्रा और विरासत स्थलों के एकीकृत विकास से जुड़ा है। इसके तहत 'पंचकोसी पथ', 'तीर्थयात्रा सुविधा केन्द्र', 'रामेश्वर', 'सड़क विकास' और 'संकेतक बोर्ड' को सफलतापूर्वक पूरा कर राष्ट्र को समर्पित किया गया है। प्रसाद योजना के तहत वाराणसी में रिवर क्रूज का विकास' किया गया है।

मिशन गगनयान

स्पेस प्रोग्राम को नई ताकत देते हुए मोदी सरकार ने साल 2022 तक तीन भारतीयों को अंतरिक्ष भेजने के लिए दस हजार करोड़ रूपये के गगनयान मिशन को मंजूरी दी है। इस गगनयान प्रोजेक्ट के सफल होने पर भारत इंसान को अंतरिक्ष भोजने वाला चौथा देश बन जाएगा। प्रधानमंत्री मोदी ने लालकिले की प्राचीर से दिये अपने भाषण में घोषणा की थी कि 2022 मे देश की किसी बेटी या बेटे को अंतरिक्ष में भेजा जाएगा। गगनयान के तहत तीन लोग न्यूनतम सात दिन तक अंतरिक्ष में रहेंगे। गगनयान के लिए जीएसएलवी एमके–3 का इस्तेमाल किया जाएगा।

100 करोड़ टीकाकरण का विश्व रिकॉर्ड

कोरोना महामारी के खिलाफ भारत ने सबसे कम समय में 100 करोड़ टीकाकरण का लक्ष्य हासिल किया। कोरोना वायरस के खिलाफ जारी लड़ाई में भारत ने 21 अक्टूबर को एक ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल कर ली। दुनिया में भारत 100 करोड़ वैक्सीनेशन का आंकड़ा पार करने वाला पहला राष्ट्र बन गया। भारत की इस उपलब्धि को संयुक्त राष्ट्र संघ ने भी सराहा। प्रधानमंत्री ने अपने ट्वीट में लिखा, 'हमारे डॉक्टरों, नर्सों और उन सभी को धन्यवाद जिन्होंने इस उपलब्धि को हासिल करने के लिए काम किया।

ओलंपिक में अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन

Neeraj Chopra	Gold	Men's javelin throw
Mirabai Chanu	Silver	Weightlifting
Ravi Dahiya	Silver	Wrestling
PV Sindhu	Bronze	Badminton
Bajrang Punia	Bronze	Wrestling
Lovlina Borgohain	Bronze	Boxing
Indian Hockey Team	Bronze	Men's Hockey

भारत ने जापान की राजाधानी टोक्यो में हुए खेलों के महाकुंभ टोक्यो ओलंपिक में रिकॉर्ड तोड़ प्रदर्शन किया। देश ने लंबे समय बाद एक साथ सात मेडल पर कब्जा जमाया। एक स्वर्ण, दो रजत और चार कांस्य पदकों के साथ भारत पदक तालिका में 48वें नंबर पर पहुंच गया। ओलंपिक खेलों के इतिहास में यह भारत का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन था।

भारत ने बनाया दुनिया का सबसे हल्का लड़ाकू विमान - तेजस

भारत ने दुनिया का सबसे हल्का लड़ाकू हेलीकॉप्टर तेजस बनाकर विश्व मे नया कीर्तिमान स्थापित कर दिया है। 22 नवंबर 2021 को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देश की स्वतंत्रता के 75वें वर्ष के उपलक्ष्य में झांसी में आयोजित 'राष्ट्रीय रक्षा समर्पण' समारोह के दौरान भारतीय वायु सेना को स्वदेशी हल्का लड़ाकू हेलीकॉप्टर सौंपा। हवा से हवा और हवा से जमीन पर मार करने वाली मिसाइलों से लैस LCH में 20 मिमी की बंदूक, 70 मिमी की रॉकेट और हवा से हवा में मार करने वाली मिसाइल भी लगी हुई हैं। इसे 180 डिग्री पर खड़ा किया जा सकता है और यह 360 डिग्री पर घूमने में सक्षम है।

स्वदेशी कोरोना वैक्सीन

कोरोना वायरस के गंभीर संकट के बीच भारत द्वारा कोविड–19 की पहली स्वदेशी वैक्सीन कोवैक्सीन का निर्माण करना राष्ट्र के लिए गर्व का क्षण था और भारत की वैज्ञानिक क्षमता की सम्पूर्ण विश्व ने प्रशंसा की। इस वैक्सीन का निर्माण भारत बायोटेक ने किया। इसके अतिरिक्त भारत में वैज्ञानिकों ने दुनिया की पहली DNA आधारित कोरोना रोधी वैक्सीन 'जायकोव–डी' बनाने की उपलब्धि भी हासिल की है।

ऑपरेशन राहत

अरब बलों के गठबंधन (Coalition Arab Forces) ने मार्च 2015 में यमन में हवाई हमले शुरू कर दिये। ऐसे में यमन के विभिन्न स्थानों पर फँसे 4500 से अधिक भारतीय नागरिकों को तत्काल निकाले जाने की आवश्यकता थी। मोदी ने अपने मित्रता से रोजाना 2 घंटे के लिए सऊदी और यमन सरकारों से युद्ध रूकवाने में कामयाबी हासिल की। जिसके फलस्वरूप भारतीय नागरिकों की निकासी के लिये विदेश मंत्रालय, भारतीय वायुसेना, भारतीय नौसेना और एयर इंडिया की संयुक्त टीम ने ऑपरेशन राहत को पूरा किया।

ऑपरेशन संजीवनी

भारतीय वायु सेना (Indian Air Force- IAF) ने 'ऑपरेशन संजीवनी' (Operation Sanjeevani) के माध्यम से आवश्यक दवाइयों तथा अस्पताल के उपयोग संबंधी 6.2 टन सामग्री को मालदीव पहुँचाया। भारत सरकार द्वारा डॉक्टरों और विशेषज्ञों की 14 सदस्यीय COVID-19 रैपिड रिस्पांस टीम भी मालदीव भेजी गई। इसके अतिरिक्त भारत सरकार ने चीन के वुहान से मालदीव के नौ नागरिकों को भी निकाला है, जहां सबसे पहले COVID-19 की पहचान की गई थी।

वंदे भारत मिशन (2020)

कोरोनावायरस के कारण वैश्विक यात्रा पर प्रतिबंध होने से विदेश में फंसे भारतीय नागरिकों को वापस लाने हेतु 'वंदे भारत मिशन' चलाया गया है।

ऑपरेशन समुद्र सेतु (2020)

ऑपरेशन समुद्रसेतु कोविड–19 महामारी के दौरान भारतीय नागरिकों को विदेशों से घर वापस लाने के लिए भारत सरकार का नौसैनिक अभियान था। इसके तहत 3,992 भारतीय नागरिकों को समुद्र के रास्ते उनकी मातृभूमि पर सफलतापूर्वक वापस लाया गया। भारतीय नौसेना के जहाज़ जलाश्व (लैंडिंग प्लेटफॉर्म डॉक), ऐरावत, शार्दुल तथा मगर (लैंडिंग शिप टैंक) ने इस ऑपरेशन में भाग लिया, जो 55 दिनों तक चला और इसमें समुद्र द्वारा 23,000 किमी. से अधिक की यात्रा शामिल थी।

ऑपरेशन मैत्री (2015)

वर्ष 2015 में नेपाल में आए भूकंप में बचाव और राहत अभियान के रूप में ऑपरेशन मैत्री का संचालन भारत सरकार और भारतीय सशस्त्र बलों द्वारा किया गया था। भारतीय सशस्त्र बलों ने लगभग 5,188 लोगों को निकाला था, जबकि लगभग 785 विदेशी पर्यटकों को पारगमन वीज़ा प्रदान किया गया था।

ऑपरेशन गंगा

ऑपरेशन गंगा, भारत सरकार द्वारा मानवीय सहायता प्रदान करने और यूक्रेन पर 2022 के रूसी आक्रमण के बीच भारतीय नागरिकों को यूक्रेन से निकालने के लिए जारी एक ऑपरेशन है। इसमें उन लोगों की सहायता शामिल है जो रोमानिया, हंगरी, पोलैंड, मोल्दोवा, स्लोवाकिया के पड़ोसी देशों में चले गए हैं। भारतीय वायु सेना के द्वारा इस ऑपरेशन के तहत 18000 से भी अधिक भारतीय नागरिकों को यूक्रेन से भारत लाया जा चुका है।

ऑपरेशन देवीशक्ति

अफगानिस्तान पर तालिबान के कब्जे के बाद काबुल से भारतीय नागरिकों और अफगान सहयोगियों को सुरक्षित लाने के लिए भारत सरकार द्वारा चलाये गए जटिल मिशन का नाम '' ऑपरेशन देवी शक्ति'' रखा गया। भारतीय नागरिकों के अलावा कई अफगान सिख और हिंदू भी इस मिशन के तहत भारत लाये गए। इनके साथ काबुल से पवित्र श्री गुरू ग्रंथ साहिब के तीन स्वरूप भी भारत पहुंचे।

वैशाख पूर्णिमा पर लुम्बिनी यात्रा

16 मई 2022 को नेपाल के प्रधानमंत्री देउबा के निमंत्रण पर मोदी बुद्ध पूर्णिमा के अवसर पर लुम्बिनी पहुंचे। उन्होंने यहां माया देवी मंदिर में पूजा अर्चना की। प्रधानमंत्री मोदी ने लुम्बिनी बौद्ध विहार क्षेत्र में इंडिया इंटरनेशनल सेंटर फॉर बौद्ध कल्चर एंड हेरिटेज (भारत अंतरराष्ट्रीय बौद्ध संस्कृति और विरासत केन्द्र) के निर्माण कार्य की आधारशिला रखी। गौरतलब है कि वैशाख पूर्णिमा के दिन लुंबिनी में सिद्धार्थ के रूप में बुद्ध का जन्म हुआ। इसी दिन बोधगया में वो बोध प्राप्त करके भगवान बुद्ध बने और इसी दिन कुशीनगर में उनका महापरिनिर्वाण हुआ।

वैक्सीन मैत्री

कोविड संकट के दौर में भारत ने सबसे पहले अपने पड़ोसी देशों को वैक्सीन देने के साथ वैक्सीन मैत्री पहल की शुरूआत की। मालदीव, भूटान, बांग्लादेश, नेपाल, श्रीलंका और म्यांमार के साथ, मॉरीशस और सेशेल्स को वैक्सीन दी गई। इसके बाद अन्य पड़ोसी देशों और खाड़ी के देशों को वैक्सीन उपलब्ध कराई गई। अफ्रीकी क्षेत्रों से लेकर कैरिकॉम देशों तक वैक्सीन की आपूर्ति करने का उद्देश्य छोटे और अधिक कमजोर देशों की मदद करना था। अभी तक, लगभग 100 देशों को ' मेड इन इंडिया' वैक्सीनों की आपूर्ति की है।

भारत ने हाइड्रॉक्सीक्लोरोक्वीन, पैरासिटामोल एवं अन्य दवाओं की जरूरतों को पूरी दुनिया में पूरा करने का प्रयास किया। भारत ने 150 देशों को दवाओं की आपूर्ति की और इनमें से 80 देशों को दवाएं अनुदान में दी गई। यही उदार दृष्टिकोण, जो हमारी संस्कृति की विशेषता भी है, वंदे भारत मिशन में भी देखने को मिला। वुहान से शुरू करते हुए, अपने नागरिकों के साथ–साथ कई अन्य देशों के नागरिकों को भी स्वदेश वापस लाने का काम किया।

मोदी है तो मुमकिन है ....

वर्ष 2014 में हुए 16वीं लोकसभा के चुनावों में नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारतीय जनता पार्टी ने 282 सीटों पर जीत हासिल की थी। तीस साल में यह पहला अवसर था जब कोई पार्टी अकेले अपने दम पर पूर्ण बहुमत में आई हो।

यह मोदी सरकार के प्रथम कार्यकाल की नीतियों व आमजन के विश्वास का ही परिणाम था कि वर्ष 2019 में सम्पन्न हुए 17वीं लोकसभा के चुनावों में भारतीय जनता पार्टी ने 303 सीटें हासिल कर स्वयं का 2014 का रिकॉर्ड ध्वस्त कर दिया।

"सौजन्य से"

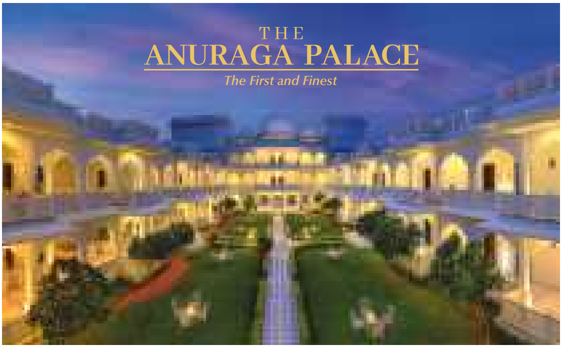

THE ANURAGA PALACE
Since 1986

Ranthambore Road,
Ranthambore, Sawai Madhopur,
Rajasthan

Shabri Organic
PROMISE OF PURITY

Ajnoti, Mainpura,
Sawai Madhopur, Rajasthan

जनजाति महिला विकास संस्थान
अक्रमुः रूचेजनन्त सूर्यम्

Mainpura, Sawai Madhopur,
Rajasthan

संकलन व परिकल्पना
दीपक 'पवन'

प्रस्तुतिकरण
अर्चना मीना

प्रकाशन
मई, 2023

स्वप्रकाशित
सर्वाधिकार लेखकाधीन